सूती वस्त्रों का निर्यात

3542. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान, वर्षवार, कितनी-कितनी मात्रा में सूती धागे का निर्यात किया गया और उसका मूल्य कितना-कितना था;

(ख) क्या यह सच है कि हमारे देश से सूती वस्त्रों का भी निर्यात किया जाता है;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि विदेशों में सूती वस्त्रों की लोक प्रियता लगातार बढ़ती जा रही है;

(घ) यदि हां, तो क्या देश से सूती धागे के स्थान पर सूती वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कोई प्रभावी कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

वस्त्र मंत्री साथ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री शरद यादव) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान सूती यार्न के निर्यात की मात्रा और मूल्य निम्नोक्त अनुसार रहे हैं :—

	मात्रा (मिलियन किग्रा.)	मूल्य (करोड़ रु.)
1987	85.96	326.78
1988	43.23	234.51
1989	52.90	311 72

(ख) और (ग) जी हां

(घ) और (ङ) सूती यार्न और सूती परिधानों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग है तथा इसलिए सरकार इन दोनों मदों के निर्यात को प्रोत्साहन देती है ।

Letters from M.Ps. in resect of Banking Division

3543. SHRIMATI RATAN KUMARI :
DR. RATNAKAR PANDEY :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) what is the number of letters received in his Ministry concerning Banking Division from Members of Parliament in the months of April and May, 1990;

(b) how many of such letters have not been replied to yet;

(c) what are the reasons for the delay in this regard; and

(d) by when replies are expected to be sent ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANIL SHASTRI) : (a) to (d) During the months of April and May, 1990, the Banking Division in the Ministry of Finance had received 537 letters from Members of Parliament. Final replies have already been sent in respect of 202 of such letters. The remaining 335 letters have been referred to concerned banks, financial institutions and other authorities for ascertaining the factual position etc. Banks and financial institutions have, in turn, to ascertain the requisite factual position frm their field formations which takes some time. Efforts will continue to be made for the expeditious disposal of the remaining cases also.

Trade Unions/Associations in ITDC

3544. SHRI CHATURANAN MISHRA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA :

Will the Minister of TOURISM be pleased to state :